शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुधारने के लिए एम.आई.सी. की बैठक में लिया गया बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय

जबलपुर में स्वच्छता को मिलेगी नई रफ्तार, मेयर इन काउंसिल की बैठक में कई ऐतिहासिक फैसलों पर लगी मुहर

- पहली बार सफाई व्यवस्था के टेंडर में भाग लिए 35 निविदाकार, देश-प्रदेश के 700 करोड़ तक के टर्नओवर वाले बड़े ठेकेदारों ने जताया जबलपुर नगर निगम के ऊपर भरोसा
- पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के तहत 15 प्रतिष्ठित संस्थाओं का किया गया सफल इंपैनलमेंट
- आगामी 1 नवंबर से पूरे शहर में प्रभावी होगी नई और उन्नत सफाई व्यवस्था, संभागवार समितियों को नियमानुसार बांटे जाएंगे कार्य
- इलाहाबाद चौक का नाम अब होगा देश का पहला विकसित भारत संकल्प सेवा चौक
- कैरव्स चौक का नाम अब होगा ईश्वरदास रोहाणी चौक
- लीज प्रकरणों का निराकरण करने के साथ त्योहारी सीजन को देखते हुए पटाखा व्यापारियों को राहत प्रदान करने वाले महत्वपूर्ण प्रस्ताव को भी दी गई मंजूरी



जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" की अध्यक्षता में आयोजित नगर निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक शहर के विकास, प्रशासनिक पारदर्शिता और जनभावनाओं के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रही है। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए, वहीं ऐतिहासिक चौराहों के नाम बदलकर महापुरुषों और राष्ट्र की संकल्पना को समर्पित करने का भी बड़ा कदम उठाया गया है। इसके अलावा लीज प्रकरणों का निराकरण के साथ त्योहारी सीजन को देखते हुए स्थानीय फटाखा व्यापारियों को बड़ी राहत दी गई है।

सफाई व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव

महापौर श्री अन्नू ने जानकारी देते हुए बताया कि जबलपुर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ और अत्याधुनिक बनाने के लिए नगर निगम द्वारा जारी किए गए टेंडर को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। इतिहास में पहली बार सफाई व्यवस्था के इस टेंडर में देश और प्रदेश स्तर के 700 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले बड़े और प्रतिष्ठित ठेकेदारों ने गहरी रुचि दिखाई। इस प्रक्रिया के तहत कुल 35 निविदाकार मैदान में उतरे, जो शहर के विकास और निवेश के माहौल पर बड़े ठेकेदारों के बढ़ते भरोसे को साफ दर्शाता है। पूरी तरह से पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद 15 प्रतिष्ठित संस्थाओं का सफल इंपैनलमेंट किया गया है। जिसमें आर. प्रियांशी कंस्ट्रक्शन एंड फैसिलिटी, माँ नर्मदा साईं सेवा समिति, महाराष्ट्र विकास ग्रुप कंपनी, एच. एस. सर्विस प्रोवाइडर, थर्डआई सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, सक्षम फैसिलिटी सर्विसेज प्रा. लि., किंग सिक्योरिटी गार्ड्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, रक्षक सिक्योरिटास प्रा. लि., क्रिएन्टम सिक्योरिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बिलीव सॉल्यूशन सर्विसेज, ब्रम्हन्हे मल्टीसर्विस प्राइवेट लिमिटेड, श्री बर्फानी सिक्योरिटी सर्विस, माँ नर्मदा सफाई संरक्षक कामगार एंड लेबर कॉन्ट्रैक्ट कोऑपरेटिव सो., टैक्सी जंक्शन, एवं अल्ट्रा क्लीन एंड केयर सर्विसेज आदि के नाम शामिल हैं।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में बताया गया कि नगर निगम जबलपुर के संभाग क्रमांक 1 से 16 अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं सफाई कार्य हेतु फर्मों/एजेंसियों को सूचीबद्ध किए जाने हेतु ऑन लाइन निविदा आमंत्रित की गई। आमंत्रित निविदा में कुल 35 निविदाकारों द्वारा ऑन लाइन बिड प्रस्तुत की गई। तकनीकी निविदा के परीक्षण एवं प्राप्त आपत्तियों/स्पष्टीकरणों के विश्लेषण उपरांत कुल 17 निविदाकारों को तकनीकी रूप से पात्र पाए गए तथा 18 निविदाकार अपात्र पाए गए। तकनीकी रूप से पात्र पाए गए उक्त 17 निविदाकारों के वित्तीय प्रस्ताव दिनांक 05 अक्टूबर 2026 को ऑनलाइन खोले गए। मूल निविदा प्रपत्र के सेक्शन-।। की कंडिका 3.4.1 बी एवं एनेक्सर-2 में निविदाकारों द्वारा न्यूनतम 5 प्रतिशत सर्विस चार्ज कोट करने का प्रावधान था तथापित प्री बिड बैठक के उपरांत जारी शुद्धि पत्र प्री बिड रिस्पॉनस में म.प्र. शासन वित विभाग के दिशा निर्देशों एवं वास्तविक परिचालन व्ययों को दृष्टिगत रखते हुए न्यनतम सर्विस चार्ज की संशोधित दर मिनिमम 10 प्रतिशत सर्विस चार्ज मान्य की गयी। उक्त संशोधित नियम के अनुसार 10 प्रतिशत से कम सर्विस चार्ज प्रस्तुत करने वाली निविदाएँ अमान्य/अस्वीकृत किये जाने योग्य है। वित्तीय बिड परीक्षण में 2 निविदाकारों द्वारा 10 प्रतिशत से कम दर प्रस्तुत की गयी जिसमें सेंगर सिक्योरिटी एण्ड सर्विसेस प्रा.लि. एवं कामथेन सिक्योरिटी सर्विस हैं।

1 नवंबर से पूरे शहर में प्रभावी होगी नई व्यवस्था

एम.आई.सी. के निर्णयानुसार, आगामी 1 नवंबर से जबलपुर शहर में पूरी तरह से नई और उन्नत सफाई व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने और मैदानी स्तर पर मॉनिटरिंग मजबूत करने के लिए संभागवार समितियों का गठन किया गया है, जिन्हें अलग-अलग कार्य और जिम्मेदारियां बांटी जाएंगी। इससे शहर के हर वार्ड और गली में कचरा संग्रहण और साफ-सफाई की स्थिति में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिलेगा। बैठक में शहर के दो प्रमुख चौराहों के नाम बदलने के प्रस्तावों को भी सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई, सिविल लाइन स्थित इलाहाबाद चौक का नाम बदलकर अब विकसित भारत संकल्प सेवा चौक कर दिया गया है। यह नाम देश के विकसित भारत के सपने और जनसेवा की भावना को समर्पित होगा। कैरव्स चौक का नाम बदलकर अब ईश्वरदास रोहाणी चौक कर दिया गया है। एम.आई.सी. की बैठक में पटाखा व्यापारियों के हित से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई है, जिससे व्यापारियों को स्थान आवंटन और अन्य औपचारिकताओं में सुगमता मिल सकेगी। बैठक में एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान, अशफाक परवेज कुरैशी, उपायुक्त संभव अयाची, श्रीमती शिवांगी महाजन, स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा, के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।



घाटों की साफ-सफाई, रोशनी, पार्किंग और पहुंच मार्ग दुरुस्त करने के निर्देश

विसर्जन स्थलों का कलेक्टर, पुलिस कप्तान और निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

हरिभूमि, जबलपुर।

आगामी प्रतिमा विसर्जन को व्यवस्थित, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय और नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शनिवार को संयुक्त रूप से प्रमुख विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हनुमानताल तालाब, ग्वारीघाट के भटौली क्षेत्र और तिलवारा स्थित विसर्जन कुंड का जायजा लेकर व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विसर्जन स्थलों पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घाटों तक पहुंचने वाले मार्गों का दुरुस्तीकरण कराने के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाए, ताकि विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके अलावा विसर्जन स्थलों पर आवश्यकतानुसार नाविकों की व्यवस्था और वाहनों की पार्किंग के लिए भी उचित इंतजाम करने को कहा गया। कलेक्टर, पुलिस कप्तान और निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि व्यवस्थाओं से संबंधित जो भी समस्याएं सामने आएं, उनका संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर तत्काल निराकरण कराया जाए। अधिकारियों का जोर इस बात पर रहा कि विसर्जन के दिन भीड़ के दबाव को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी कर ली जाएं, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु रहे और सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की कमी न हो।

सभी अनुभागों में भी निरीक्षण के निर्देश

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर जिले के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों ने भी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अपने-अपने अनुभागों में स्थित विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए।प्रशासन और पुलिस की संयुक्त पहल का उद्देश्य विसर्जन प्रक्रिया को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिले और किसी भी तरह की अव्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो।

आस्था की आड़ में मनमानी नहीं चलेगी!

- *कथित अश्लील वीडियो से घिरे समिति अध्यक्ष संजय गुप्ता*
- *वायरल सामग्री से श्रद्धालुओं में नाराजगी*
- *पुलिस का अल्टीमेटम,*
- *नियम तोड़े तो होगी सख्त कार्रवाई*

डीजे बजाया तो प्रशासन कराएगा महाकाली प्रतिमा का विसर्जन



हरिभूमि, जबलपुर।

धार्मिक आस्था और सार्वजनिक मर्यादा को लेकर कछपुरा महाकाली समिति विवादों के घेरे में है। समिति अध्यक्ष संजय गुप्ता के नाम से सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित अश्लील वीडियो ने एक ओर श्रद्धालुओं के बीच नाराजगी और सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ओर डीजे प्रतिबंध को लेकर कथित चुनौतीपूर्ण वीडियो के बाद पुलिस-प्रशासन ने भी सख्त रुख अपनाया है। सीएसपी कोतवाली अखिलेश गौर ने समिति को नोटिस जारी कर स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि प्रतिबंधात्मक आदेशों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों के विरुद्ध डीजे बजाने पर प्रशासन प्रतिमा विसर्जन की कार्रवाई अपने स्तर पर करा सकता है। विवाद की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित अश्लील वीडियो को लेकर लोग धार्मिक आयोजनों से जुड़े पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और सार्वजनिक आचरण पर सवाल उठा रहे हैं। वीडियो में संजय गुप्ता और एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के आपत्तिजनक स्थिति में होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, वीडियो की प्रामाणिकता, समय और पूरे संदर्भ की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

कथित वीडियो पर श्रद्धालुओं में नाराजगी, कार्रवाई की मांग उठी

प्रतिक्रियाओं में लोगों का कहना है कि धार्मिक समितियों से जुड़े पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी और सार्वजनिक आचरण के प्रति अधिक संवेदनशील होना चाहिए। उनका मानना है कि यदि वायरल वीडियो की सत्यता प्रमाणित होती है और किसी अनुचित कृत्य की पुष्टि होती है, तो मामले की निष्पक्ष जांच कर कानून के मुताबिक कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने का संदेश जाए।

सफाई देने के लिए सामने आया समिति अध्यक्ष

विवाद के बीच संजय गुप्ता ने कथित तौर पर वीडियो में दिखाई देने वाले ट्रांसजेंडर व्यक्ति और वीडियो बनाने वाले बताए जा रहे भवानी प्रसाद द्विवेदी के साथ सार्वजनिक वीडियो जारी कर अपनी सफाई दी है। अब इस सफाई में किए गए दावों और वायरल सामग्री के वास्तविक संदर्भ की निष्पक्ष जांच महत्वपूर्ण हो गई है। संबंधित पक्षों के बयान सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

डीजे प्रतिबंध पर पुलिस का दो टूक संदेश

दूसरी ओर, डीजे प्रतिबंध को लेकर प्रसारित कथित चुनौतीपूर्ण वीडियो के मामले में पुलिस-प्रशासन ने समिति को नोटिस जारी कर नियमों के पालन की चेतावनी दी है। प्रशासन का संदेश स्पष्ट है कि धार्मिक आयोजन के नाम पर प्रतिबंधात्मक आदेशों की अनदेखी नहीं की जा सकती। आदेशों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा प्रतिमा विसर्जन कराए जाने की चेतावनी की वास्तविक सीमा नोटिस में दर्ज शर्तों के अनुसार ही तय होगी।

अब जांच और कार्रवाई पर टिकी निगाहें

कथित अश्लील वीडियो की सत्यता, समिति अध्यक्ष की सफाई और डीजे प्रतिबंध के उल्लंघन से जुड़े तथ्यों की जांच अब महत्वपूर्ण है। श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए प्रशासन को निष्पक्षता से पूरे मामले की पड़ताल करनी चाहिए। आस्था के नाम पर नियमों को चुनौती देने की छूट किसी को नहीं मिलनी चाहिए और किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई भी प्रमाणित तथ्यों के आधार पर ही होनी चाहिए।

हरिभूमि जबलपुर स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
दादा वीरेन्द्रपुरी जी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय)
अत्याधुनिक एवं उन्नत नेत्र चिकित्सा सेवाएँ
मायोपिया क्लिनिक
बच्चों एवं वयस्कों में निकट दृष्टि दोष का विशिष्ट परीक्षण, नियंत्रण व आधुनिक उपचार
वायनॉक्स थेरेपी
एम्ब्लोपिया (आलसी आँख) के इलाज हेतु एडवांस्ड विजन थेरेपी
विट्रियो - रेटिनल सर्विस
पर्दा संबंधी जटिल बीमारियों का आधुनिक लेजर व सर्जिकल इलाज
मोतियाबिंद का अत्याधुनिक ऑपरेशन
फेको एवं लेजर तकनीक द्वारा दर्द-रहित व टांका - रहित मोतियाबिंद सर्जरी
पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी
बच्चों की आँख की समस्त बीमारियों का इलाज एवं विशेषाज्ञों द्वारा ऑपरेशन
चश्मे से आजादी (लेजर सर्जरी)
अत्याधुनिक लेजर तकनीक द्वारा दूर-दूर एवं निकट दृष्टि दोष दोनों प्रकार के चश्मों से मुक्ति
ग्लूकोमा (काला मोतिया) इलाज
आँख के दबाव (IOP) को नियत्रित कर दृष्टि - हानि से बचाने के लिए एडवांस्ड सर्जरी
भेंगापन करेक्शन
स्क्विट के लिए सुरक्षित, सटीक और आधुनिक सर्जिकल सुविधा
लो विजन एड
कम दृष्टि वाले मरिजों के लिए विशेष उपकरण एवं पुनर्वास सेवाएं
ऑकुलोप्लास्टी व DCR सर्जरी
पलकों, ऑबिट और बंद आंसू की नली (DCR) के लिए प्लास्टिक व कॉस्मेटिक सर्जरी
शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण सुविधाएँ
डी.एन.बी. (DNB) कोर्स : नेत्र रोग विज्ञान में उच्च शिक्षा हेतु DNB कोर्स (4 सीटें उपलब्ध)।
कॉलेज ऑफ ऑप्टोमेट्री: मध्य प्रदेश शासन द्वारा मान्यता प्राप्त ऑप्टोमेट्री कॉलेज।
फैलोशिप प्रोग्राम्स : नेत्र विशेषज्ञों के लिए लॉन्ग टर्म एवं शॉर्ट टर्म फैलोशिप प्रोग्राम।
हमारी मुख्य विशेषताएँ
देश व विदेश से प्रशिक्षित: अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञों की समर्पित टीम।
अंतर्राष्ट्रीय मानक : विश्वस्तरीय अत्याधुनिक मशीनें एवं संक्रमण-रहित मॉड्युलर ऑपरेशन थिएटर ।
सामाजिक सरोकार : जरूरतमंद एवं योग्य मरीजों के लिए नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन की विशेष सुविधा ।
सेवा संकल्प डॉ. पवन स्थापक
जोतपुर, तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.) 482003, फोन नंबर 0761-2636400, 401, 402
मो. 9111091188 । ई-मेल: dvjei.jbp@gmail.com वेबसाईट :https://www.dvjei.org

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी ESTD- 2004
हरिभूमि स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
यश नर्सरी हा.से. स्कूल
अधारताल/गोहलपुर जबलपुर
डॉ. विजयकांत तिवारी
डायरेक्टर
श्रीमति सोनल तिवारी
प्राचार्या
गुलाब टॉवर, स्टेट बैंक के पास, अधारताल, मो: 0761-4020761, 9303580611
शंकर पटेल मार्केट, अमखेरा रोड, गोहलपुर मो: 0761-4020761, 9303580611

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
हरिभूमि स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रजत भार्गव
अध्यक्ष
नयागांव को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी एवं समाजसेवी

हनुमान की पूंछ में लगी आग तो धू-धू कर जली सोने की लंका, रावण को छोड़ विभीषण ने थामा श्रीराम का हाथ

लंका दहन के बाद विभीषण की शरणागति, श्रीराम ने गले लगाकर बनाया लंका का भावी राजा

जबलपुर।

श्री रामलीला समिति गढ़ा जबालीपुरम के सिद्ध मंच पर रामलीला के 11 वें दिन हनुमान द्वारा लंका दहन और विभीषण की श्रीराम के प्रति शरणागति की भावपूर्ण एवं रोमांचक लीला का मंचन हुआ। भक्ति, वीरता, अहंकार और धर्म की विजय के इस प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।



लीला का शुभारंभ भगवान की आरती से हुआ। आरती में संचालक पंडित अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित,डाक्टर पंकज सुलेखा क्षत्री, श्रीमती सुधा गौतम, डॉक्टर श्रीमती भाटिया एवं मानस सत्संग परिवार पाटन से लीला दर्शन करने पहुंचे ठाकुर रणधीर सिंह, सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, घनश्याम प्रसाद बबेले, राघवेन्द्र शुक्ला, शिवकुमार वाजपेई,रामसेवक अग्रवाल, गौरीशंकर तिवारी,एवं मोहन तिवारी ने प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद पवनपुत्र हनुमान माता सीता की खोज में लंका पहुंचे और अशोक वाटिका में उनसे भेंट कर शीघ्र ही भगवान श्रीराम के उन्हें मुक्त कराने का संदेश दिया। वाटिका में मधुर फल खाने के बाद हनुमान ने रावण की सभा में पहुंचकर उसे सम्मानपूर्वक माता सीता को श्रीराम को सौंपने की सलाह दी, लेकिन अहंकार में डूबे रावण ने उनकी पूंछ में आग लगाने का आदेश दे दिया।

रावण का अहंकार और हनुमान का पराक्रम! पूंछ में आग लगते ही बजरंगबली ने विकराल रूप धारण कर सोने की लंका को आग के हवाले कर दिया। चारों ओर अग्नि की लपटें उठने लगीं और रामभक्तों के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

उलटि-पलटि लंका सब जारी। कूदि परा पुनि सिंधु मझारी॥

लंका दहन के बाद लीला ने नया मोड़ लिया। रावण और विभीषण के बीच तीखा संवाद हुआ। रावण द्वारा अपमानित किए जाने पर विभीषण ने अधर्म का साथ छोड़ लंका त्याग दी और भगवान श्रीराम की शरण में पहुंच गए।

विभीषण ने हाथ जोड़कर विनय की—

नाथ दसानन कर मैं भ्राता।
निसिचर बंस जनम सुर त्राता॥

उन्होंने श्रीराम से प्रार्थना की—

श्रवन सुजसु सुनि आयउँ प्रभु, भंजन भव भीर।
त्राहि त्राहि आरति हरन, शरण सुखद रघुबीर॥

शरणागत वत्सल भगवान श्रीराम ने विभीषण को गले लगाकर अपनाया और लंका का भावी राजा घोषित कर दिया। यह प्रसंग संदेश देता है कि व्यक्ति का मूल्य उसके कुल या जन्म से नहीं, बल्कि उसके विचारों और कर्मों से निर्धारित होता है। इसके बाद श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने की योजना बनाई और युद्ध की भूमिका तैयार हुई।

यज्ञाचार्य पंडित संतोष शास्त्री का किया गया सम्मान

लीला दर्शन करने पहुंचे यज्ञाचार्य पंडित संतोष शास्त्री मजीठा वालों का सम्मान करते हुए संचालक अशोक मनोध्याय ने बताया कि आपके द्वारा रामलीला मैदान पर पूर्व में 2 यज्ञ करवाए जा चुके हैं और इस बार मार्च 2027 में 60 वें वर्ष में षष्टीपूर्ती के उपलक्ष्य में होने वाले श्री राम-जानकी यज्ञ के प्रधान यज्ञाचार्य पंडित संतोष शास्त्री जी होगें।

इस अवसर पर समिति के सभी स्थायी आजीवन सदस्य एवं कार्यकारणी सदस्य उपस्थित रहे।

18 अक्टूबर 26 दिन रविवार को सेतुबंध रामेश्वर पूजन एवं अंगद-रावण संवाद की लीला का मंचन होगा।

सभी धर्मप्रेमी संस्कारधानी वासियों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर धर्म, भक्ति और मर्यादा से ओतप्रोत रामलीला का आनंद लेने का आग्रह किया गया है।

प्रभु श्रीराम ने किया भोलेनाथ का अभिषेक

जबलपुर।

सुन ले रे रावण, पहले लैंहों जान पुनि पांछे लैहों जानकी। इस पर रावण ने कहा सुन ले रे अंगद, जान दे दैहों जान, पर न जान दैहों जानकी। ये संवाद अंगद और रावण के बीच गोविंदगंज रामलीला में सुने गए। शांतिदूत बन कर लंका गए अंगद जी के रूप में सक्षम बाजपेयी ने भावपूर्ण संवाद किए। एक-एक संवाद इतने वजनदार थे कि दर्शक तालियां पीटने से खुद को नहीं रोक पाए। देवों की कौन कहे विधाता तक मौन है-ऐसे दशकंठ को झुकाने वाला कौन है.. संवाद पर रावण बने पवन पांडे का अंदाज भी सराहा गया।



रामलीला समितियों में उमड़ी रही भीड़, अब दशहरे पर फोकस

रामेश्वर पूजन में गूंजे मंत्र

इससे पूर्व सेतु बंधु रामेश्वर पूजन की लीला हुई। इसमें प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमंत लाल द्वारा शिव महारुद्राभिषेक का प्रसंग है। 21 वैदिक ब्राम्हणों द्वारा रुद्री पाठ किया गया। इसके बाद भगवान द्वारा भोलेनाथ के अभिषेक को देखकर श्रद्धालुओं का मन प्रसन्न हो गया। इस लीला का दर्शकों को और समिति के कार्यकर्ताओं को साल भर इंतजार रहता है। भगवान को भांग-धतूरा सहित अभिषेक की सारी सामग्री भोलेनाथ को अर्पित की गई।

आज लक्ष्मण को शक्ति

रामलीला समिति के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि आज की लीला में लक्ष्मण शक्ति का प्रसंग होगा। ये लीला बड़ी लीला है। इस लीला में मेघनाथ का गर्जन, युद्ध प्रदर्शन, रावण की शक्ति पूजन, श्रीराम विलाप, भरत विलाप, वैद्ध सुखेन चरित्र आदि की लीला होती है।

सुरेंद्र जल उपभोक्ता संथा संघ अध्यक्ष बने



सिहोरा। सिहोरा मझौली और पोंडा तहसील की चौदह जल उपभोक्ता संथा अध्यक्षों कि बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संथा अध्यक्षों ने मिलकर आलासूर के संथा अध्यक्ष सुरेंद्र पटेल को जल उपभोक्ता संथा संघ का सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना। बैठक तहसील अधिवक्ता

संघ अध्यक्ष एडवोकेट रविदीप सिंह बैस के मुख्य अतिथि,जिला अध्यक्ष छोटे पटेल के विशिष्ट आतिथ्य,एसडीओ हिमांशु प्रजापति की उपस्थिति में किया गया। जल उपभोक्ता संथा के अध्यक्ष अनिल पटेल, चंद्रजीत पटेल, मनोज साहू, अवधेश पटेल, सतीश चौबे, देवी सिंह ठाकुर, इंद्र सिंह ठाकुर, वीरेंद्र उपाध्याय,भारत पटेल, अनिल कुमार पटेल, हुकुम चंद पटेल, रोहित पटेल के साथ गंगा पटेल, मुकेश शुक्ला, संजय पटेल,अजय पटेल उपस्थित थे।

मन्नत दरबार से निकली विशाल चुनरी यात्रा, हजारों भक्त हुए शामिल





मझौली। शारदीय नवरात्रि की सप्तमी तिथि के पावन अवसर पर नगर में भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार इस वर्ष भी मन्नत दरबार से विशाल चुनरी यात्रा निकाली गई।यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। चुनरी यात्रा मन्नत दरबार से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से भ्रमण करते हुए वापस मन्नत दरबार पहुंची। यात्रा के दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा कर भक्तों का स्वागत किया गया। यात्रा में शामिल अति मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन्हें देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ लगी रही। पूरे नगर में जय माता दी के जयघोष गूंजते रहे। मन्नत दरबार पहुंचने के बाद विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

बाबाताल में सजा महाकाली का दरबार

33 वर्षों से एक ही स्वरूप में विराजित हो रही माता की प्रतिमा

सिहोरा।

शिव मंदिर बाबाताल में शारदेय नवरात्र पर्व पर माता महाकाली का दरबार सजाया गया है। झंकार समिति द्वारा उक्त प्रतिमा की स्थापना का यह 37 वां वर्ष है। माता महाकाली की प्रथम स्थापना 1990 में की गई थी और उसी स्वरूप में माता को आज भी विराजमान किया जाता है। महाकाली माता के दरबार में जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी अर्जी लगाता है माता उनकी मनोकामना पूर्ण करती हैं।आरती के समय नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो के भक्त गण बड़ी संख्या में एकत्र होते हैं माई



के दरबार में अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भी लोग आते हैं विशेष बात यह है कि यहां अर्जी के लिए न कोई विशेष पूजन या अनुष्ठान कुछ भी नहीं होता। भक्तों की श्रद्धा और प्रार्थना ही पर्याप्त है। मनोकामना पूर्ण होने पर भक्तजन माता को श्रंगार, साड़ी, चूड़ी, जेवर आदि प्रसाद के रूप में अर्पण करते हैं। इसी समिति द्वारा हर साल विजयदशमी पर विशाल देवी जागरण एंव चल समारोह में शामिल समितियों सहित सभी भक्तों के लाभ भंडारे का भी आयोजन किया जाता है।

भेड़ाघाट सुपर फास्ट ट्रेनों को तरसता विश्व पर्यटन स्थल

भेड़ाघाट

विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट की संगमरमर की वादियों को देखने देश विदेश से पर्यटक आते हैं भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है यहां पर सुपरफास्ट पैसेंजर शटल के अलावा और कोई गाड़ियां नहीं रुकती हैं जिससे स्टेशन पर सुविधाओं का अभाव भी पनप रहा है यहां के जनप्रतिनिधियों की कमजोरी कहा जाए या केन्द्र सरकार में बैठे जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा से भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन को पर्यटन की दृष्टि से दूर रखा है तभी तो इसका खामियाजा पर्यटकों और आसपास की जनता भुगत रही हैं



सुपर फास्ट ट्रेनों का स्टॉपेज क्यों नहीं

जबलपुर शहर पर कोई पर्यटक रुकता है तो उसे प्राइवेट ऑटो या मेट्रो से संगमरमर की वादियों का लुत्फ तभी उठा सकता हैं जब वह 20 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन से पंचवटी धुआंधार की दूरी 5 से 6 किलोमीटर की है यहां से पर्यटकों का समय और पैसा दोनों बचेगा और आसानी से देश-विदेश से आने वाले पर्यटक भेड़ाघाट की सैर कर सकता है उसी के साथ आसपास के लोगों को भी रेलवे की यात्रा का लाभ भी मिलेगा । और क्षेत्र में व्यापार की अनेक सम्भावना भी बढ़ेगी रेलवे बोर्ड मण्डल द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं

सुपर फास्ट ट्रेनों का स्टॉपेज क्यों नहीं

भेड़ाघाट विकास की बात तो सभी करते हैं लेकिन भेड़ाघाट विकास की बात आती है तो जनप्रतिनिधि भी चुप हो जाते हैं आज भीआजादी के बाद भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन सुपरफास्ट ट्रेनों को तरस रहा हैं। भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन के विकास को लेकर जनप्रतिनिधि भी खामोश है।

भेड़ाघाट को कौन देगा सुपर फास्ट ट्रेनों की सौगात

भेड़ाघाट क्षेत्र में राजनीतिक अपने आप को कम नहीं मानते हैं भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन के विकास के लिए कोई आगे नहीं आता है बातें तो जनप्रतिनिधि बड़ी-बड़ी करते हैं भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन के साथ सिर्फ छलावा ही किया जा रहा है भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन आखिरकार अपनी बद किस्मती पर आंसू बहा रहा हैं। और कब तक अपनी बद् किस्मती पर आंसू बहता रहेगा।

दिव्यांगजन जागरुकता कार्यक्रम आयोजित



सिहोरा। स्व सेवा संयोजन समिति ने कंकाली माता मंदिर परिसर में दिव्यांगजन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर समिति का आठवाँ स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग बालिका नीतू झारिया को वस्त्र एवं पादुका भेंट की गई तथा उसे आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया गया। दीप्ति जैन ने दिव्यांगजनों की सहायता एवं सम्मान के प्रति जागरूकता का संकल्प दिलाया। सचिव सारिका साहू ने बताया कि समिति महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा,पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, स्वच्छता, नशामुक्ति तथा सामाजिक जागरूकता सहित विभिन्न सेवा कार्यों में सक्रिय है। समिति की अध्यक्ष सुषमा सिंह करचुली ने समाजजनों एवं सहयोगियों से समिति के प्रति भविष्य में भी समाज के लिए निरंतर एवं व्यापक स्तर पर सेवा कार्य में आगे भी समाज का सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माता रानी ने की। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे एवं जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री तथा विशिष्ट अतिथि पार्षद रीता शुक्ला एवं बेबी विनय पाल उपस्थित रहीं। समिति की पदाधिकारी राखी तिवारी,भावना गौतम,सुषमा गौतम,सपना अवस्थी, ममता गुप्ता एवं वर्षा ठाकुर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।आभार कोषाध्यक्ष मीनू परिहार ने किया।

प्रोफेसर डॉक्टर शेखर सेठ-



प्रोफेसर डॉक्टर शेखर सेठ का 17 अक्टूबर 2026 को स्वर्गवास हो गया अंतिम यात्रा रविवार 18 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:30 बजे उनके निवास स्थान 84, नया गांव हाउसिंग सोसाइटी से प्रातः 10:30 बजे प्रारंभ होकर ग्वारीघाट मुक्तिधाम 11बजे पहुंचेगी। वे डॉक्टर विनय सेठ के लघु भ्राता श्रीमती ऊषा सेठ के पति एवं एडवोकेट सिद्धार्थ सेठ तथा कार्तिक सेठ के पिता थे।

श्री रमेश गौतम- नारायण नगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री रमेश गौतम (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री केदारनाथ श्रीवास- गोरखपुर गुरूद्वारा के पास निवासी श्री केदारनाथ श्रीवास (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शुभम काछी- रामपुर पटेल मोहल्ला निवासी श्री नरेश काछी के पुत्र श्री शुभम काछी (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नितिन सोनकर- हनुमानताल दुर्गा चौक निवासी श्री ज्ञानी सोनकर के पुत्र श्री नितिन सोनकर (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुधा झा- ज्ञान विहार कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री वीरेंद्र झा की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा झा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती द्रोपती बाई यादव- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री अर्जुन लाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपती बाई यादव (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

बरेला में रामलीला के भावपूर्ण प्रसंगों का मंचन, दर्शक हुए भावविभोर

बरेला।

स्थानीय रामलीला मैदान में चल रही ऐतिहासिक रामलीला मंचन में कल रात सीता हरण, शबरी कुटिया, राम-सुग्रीव मित्रता और बालि वध के दृश्यों का अत्यंत जीवंत और भावपूर्ण मंचन किया गया। लीला की शुरुआत में कपटी मारीच के स्वर्ण मृग बनने और रावण द्वारा साधु वेश में माता सीता का हरण करने के दृश्य ने दर्शकों को झकझोर



दिया। इसके बाद, सीता जी की खोज में व्याकुल भगवान श्रीराम लक्ष्मण सहित मतंग ऋषि के आश्रम पहुंचे, जहां शबरी की कुटिया में भक्ति भाव से सराबोर शबरी के झूठे बेर खाने के प्रसंग को देखकर दर्शक भावविभोर हो गए।

आगे हनुमान जी के माध्यम से ऋष्यमूक पर्वत पर श्रीराम और सुग्रीव की अटूट मित्रता हुई और दोनों ने अग्नि को साक्षी मानकर एक-दूसरे की मदद का संकल्प लिया। अंत में, सुग्रीव को अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए प्रभु श्रीराम ने एक ही बाण से अहंकारी बालि का वध कर धर्म की स्थापना की। इस दौरान पूरा पंडाल 'जय श्रीराम' के जयकारों से गूंज उठा।

या देवी सर्वभूतेषु बुद्धि-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥



नवीन दुर्गा उत्सव समिति
बाजपेई हॉस्पिटल राइट टाउन



मां वैष्णवी दुर्गा उत्सव समिति
पुराना कंचनपुर



श्री शिव शक्ति दुर्गा उत्सव समिति
पुराना कंचनपुर



युवा एकता शक्ति संगठन
आधारताल



मंदिर बाली मां परिवार
उपरैनगंज दीक्षितपुरा



एमजी एस आई जी आर डी दुर्गा
उत्सव समिति, अधारताल



संस्कारधानी की महारानी
नौदरा ब्रिज



गढ़ा पुरवा



पंडा की मढ़िया



गंगानगर



आर जे दुर्गोत्सव समिति छोटी बजरिया गढ़ा



श्री महाकाली समिति बधाईया मोहल्ला गोहलपुर



161 वां वर्ष दुर्गा उत्सव समिति सुनरहाई



नवनीत दुर्गोत्सव समिति नन्हू सिंह का अखाड़ा बधैया मोहल्ला में पर्यावरण थीम पर विराजी मां जगत जननी

नगर निगम दुर्गा उत्सव समिति के आयोजन में शामिल हुए निगमायुक्त, जीरो वेस्ट पद्धति से आयोजित विशाल भंडारा



जबलपुर। नगर निगम दुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित भव्य दुर्गा उत्सव, महाआरती और विशाल भंडारे का कार्यक्रम श्रद्धा, उल्लास और अनूठे पर्यावरणीय संदेश के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर निगमायुक्त श्री राम प्रकाश अहिरवार विशेष रूप से शामिल हुए और माता रानी के दरबार में माथा टेककर नगरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। जीरो वेस्ट पद्धति बना आकर्षण का केंद्रइस वर्ष के आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि समिति द्वारा आयोजित विशाल भंडारे को पूरी तरह से 'जीरो वेस्ट' पद्धति पर आधारित रखा गया। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक अत्यंत सराहनीय कदम रहा, जिसमें सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचते हुए पूरी स्वच्छता और अनुशासन के साथ श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया।श्रद्धालुओं को अपने हाथों से प्रसाद वितरणनिगमायुक्त श्री राम प्रकाश अहिरवार ने स्वयं भंडारे में पहुंचकर कतारबद्ध बैठे श्रद्धालुओं को आत्मीयता के साथ प्रसाद वितरित किया। उनके इस सरल और सहज स्वभाव ने उपस्थित आमजनों और निगम कर्मियों का दिल जीत लिया। इस दौरान पूरा पंडाल माता के जयकारों और उत्सव के उल्लास से गूंज उठा।नगर निगम टीम की सक्रिय सहभागिताइस सफल एवं अनुकरणीय आयोजन में निगमायुक्त के साथ नगर निगम के तमाम वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर उत्सव को न केवल सफल बनाया, बल्कि स्वच्छता और सामूहिक सहभागिता का एक बेहतरीन उदाहरण भी पेश किया।

सिक्ख समाज ने की महाआरती



जबलपुर। सिक्ख समाज एवं भगत सिंह युवा विचार मंच के तत्वाधान में बड़ी खेरमाई मंदिर भानतलैया में माता के चरणों में महाआरती कर प्रदेश एवं देश की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित कर माता के चरणों में प्रसाद चढ़ाए गए। भगत सिंह युवा विचार मंच के सचिव डिम्पी बिन्द्रा ने बताया कि इस महा आरती के कार्यक्रम में तजिन्दर सिंह टीटू, काके आनंद, मनोज दुबे, अनील पॉल, रविन्दर सिंह चाना, अजीत सिंह हरयाल, प्रिंन्स सलूजा, रतन पाजी, सतनाम सिंह, मन्टू बिन्द्रा, शंटी, छोटू गाँधी, निक्कू पाजी, रमनदीप सिंह हरयाल, सुदीप राजपूत, राजेश कश्यप शामिल होकर महा आरती की।

बड़ी खेरमाई महाआरती का निकला चल समारोह



जबलपुर। माँ बड़ी खेरमाई माता की महाआरती का चल समारोह दुर्गा चौक से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से भ्रमण पशचात वापस बड़ी खेरमाई में संपन्न हुआ। चल सामारोह का नेतृत्व मीना मिश्रा, श्रुति रानी मिश्रा, सीमा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर अखिल पटारिया, राजू सेप्र, मुन्ना गाड़ी, धर्मेंद्र पटारिया, मुन्नू पंडा, राजा घनघोरिया, गुड्डा टमाटर मनोज पटारिया, हेमराज माहर, ईशान भोजक, गौरव नरवरिया, सिद्धार्थ पटारिया, रितिक रजक, राजवीर नरवरिया सिद्धार्थ सोनकर, आदर्श सोनकर आदि ने माँ के जयकारों के उद्घोष के साथ गर्मजोशी से चल सामारोह का स्वागत किया ।



दिल्ली की तंग गलियों में सुलझाएंगे जुर्म की गुत्थी

मुंबई। अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी जल्द ही निर्देशक ईशान शर्मा की पहली फिल्म 'कबूतर' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसका निर्माण निखिल चौधरी कर रहे हैं, जिसमें फ्रांस और नॉर्वे के निर्माता भी शामिल हैं। दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित इस क्राइम-ड्रामा फिल्म की शूटिंग साल 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू होगी, जहां नवाजुद्दीन एक अनोखे गली-मोहल्ले के अनोखे जासूस के रूप में जुर्म की गुत्थी सुलझाएंगे। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, पुरानी दिल्ली की जर्जर इमारतों के बीच रची गई 'कबूतर' की कहानी महबूब नाम के एक गली-मोहल्ले के जासूस महबूब के इर्द-गिर्द घूमती है।

लाइफ Style

यामी

नई नवेली ने जीता दिल या किया निराश?

अभिनेत्री यामी गौतम की नई फिल्म 'नई नवेली' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसके साथ ही फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने वाले दर्शकों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

एक्स पर कोई फिल्म की कहानी और यामी के अभिनय को परखता नजर आ रहा है तो कोई इसके स्क्रीनप्ले और निर्देशन पर बात कर रहा है। कुल मिलाकर 'नई नवेली' को लेकर सोशल मीडिया पर दर्शकों के बीच चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। 'नई नवेली' को एक यूजर ने 2.5 स्टार देते हुए लिखा कि यामी और आदिनाथ कोठारे की एक्टिंग तो अच्छी है, लेकिन हॉरर, कॉमेडी और धार्मिक बैकड्रॉप का मेल फिल्म को कमजोर बना देता है। एक अन्य यूजर ने इसे 1.5 स्टार देकर लिखा कि लोककथा और ड्रामा का यह कांसेप्ट दर्शकों को डराने और हंसाने में नाकाम साबित होता है। कुछ ने कहा कि 'नई नवेली' की कहानी बड़े पर्दे पर दर्शकों को बांधने में नाकाम साबित होती है। दर्शकों के मुताबिक, यामी की बेहतरीन स्क्रीन प्रेजेंस एक कमजोर और बेजान कहानी की भेंट चढ़ गई। कॉमेडी कुछ हिस्सों में तो हंसाती है, लेकिन हॉरर सीन खास असर नहीं छोड़ पाते। बैकग्राउंड म्यूजिक अच्छा होने के बावजूद ढीले स्क्रीनप्ले और कमजोर निर्देशन के कारण ये एक औसत से नीचे की फिल्म बनकर रह जाती है। फैंटेसी और पारिवारिक ड्रामा के होते हुए भी बड़े सीन बेअसर साबित होते हैं, जिससे फिल्म दर्शकों का मनोरंजन करने में नाकाम रहती है।



हॉलीवुड मसाला



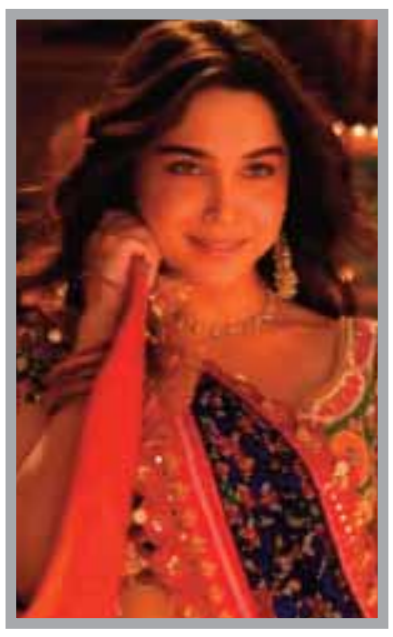
हॉलीवुड में अच्छी फिल्में नहीं बनती

लॉस एंजिल्स। फेमस एक्टर जैकी चैन ने हाल ही में हॉलीवुड को लेकर एक खुलासा किया है। उनका मानना है कि अब हॉलीवुड में क्वालिटी फिल्में नहीं बनती हैं। अब बड़े प्रोडक्शन हाउस भी बिजनेस पर ही फोकस करते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो हॉलीवुड छोड़ने वाले थे। इसकी वजह का भी खुलासा किया है। जैकी चैन लीजेंडरी एक्शन स्टार ही नहीं, उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में लंबा वक्त बिताया है। हर फिल्म इंडस्ट्री से वाकिफ होने का तजुर्बा रखते हैं। उनके मार्शल आर्ट्स और कॉमेडी की दुनिया अभी भी मुरीद है।



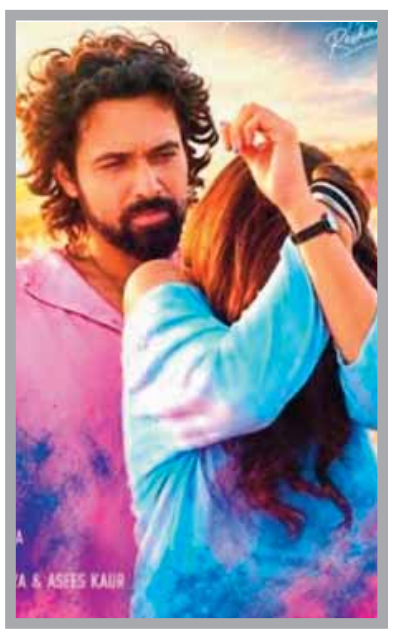
कोरियाई ड्रामा 'रिप्लाई 1988' का बनेगा रीमेक

लॉस एंजिल्स। 'लापता लेडीज' और 'धोबी घाट' जैसी फिल्में बना चुकीं किरण राव लगता अगली परियोजना की तैयारी में हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण कोरियाई ड्रामा 'रिप्लाई 1988' को रीमेक के जरिए भारतीय दर्शकों तक पहुंचाना चाहती हैं। 2015 में रिलीज इस ड्रामा-सीरीज को आईएमडी पर 9 की रेटिंग से नवाजा गया है। इसकी कहानी युवा दोस्तों के बड़े होने की चुनौतियों पर आधारित है। किरण ने सीरीज की कहानी और पड़ोस में रहने वाले परिवारों के चित्रण की तारीफ भी की। 'द पॉपकॉर्न आवर' कार्यक्रम के दौरान, किरण ने 'रिप्लाई 1988' का भारतीय रीमेक बनाने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, "सर्वश्रेष्ठ के-ड्रामा 'रिप्लाई 1988' नामक शो है। यह एक शानदार शो है। इसकी कहानी असल में 1988 में घटित होती है।



गाने में हर स्टेप का सिखाया मतलब...

मुंबई। शरवरी निर्देशक सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के गाने 'झुमका पटोला' में कुछ नया करने जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सूरज बड़जात्या के साथ काम करके उन्हें समझ आया कि डांस सिर्फ अच्छा दिखने के लिए नहीं होता, बल्कि इससे कहानी भी कही जा सकती है। बड़जात्या ने उन्हें सिखाया कि डांस के हर मूव और चेहरे के हाव-भाव का खास मतलब होता है। इससे उनकी परफॉर्मेंस में भी पहले से ज्यादा निखार आया है। बड़जात्या की खासियत है कि वो डांस के जरिए भी कहानी को खूबसूरती से पेश करते हैं। शरवरी के मुताबिक, उनके साथ काम करके वह डांस से एक अलग ही स्तर पर जुड़ पाईं और समझा कि डांस सिर्फ अच्छे मूव्स दिखाने के लिए नहीं, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने का भी जरिया है।



'गनमास्टर जी9' का गाना हुआ जारी

मुंबई। इमरान हाशमी और जेनेलिया डिसूजा की आगामी फिल्म 'गनमास्टर जी9' से नया गाना रिलीज हुआ है। कुछ दिन पहले निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना 'अफसाना बनाया आपने' रिलीज किया था, जिसे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल हुई। अब हिमेश रेशमिया के संगीत में पिरोया गया नया गाना 'दो दिन की जिंदगी' यूट्यूब पर जारी हो गया है, जो फिल्म में इमरान और जेनेलिया के किरदारों पर फिल्मांकित है। बता दें, आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित 'गनमास्टर G9' एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। हिमेश रेशमिया मेलोडीज द्वारा निर्मित 'दो दिन की जिंदगी' गाने को विशाल मिश्रा और श्रेया घोषल ने अपनी आवाज दी है। इसके लिए बोल जुनैद वसी ने लिखे हैं, जबकि संगीत हिमेश का है। वीडियो में इमरान और जेनेलिया के किरदारों को खूबसूरती से पेश किया गया है।

टीवी मसाला



'कौन बनेगा करोड़पति' की हॉट सीट पर दिखेंगे रणबीर कपूर-साई पल्लवी

मुंबई। रणबीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म 'रामायण' 5 नवंबर, 2026 को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है। इस दौरान फिल्म की टीम जोरों-शोरों से प्रचार में लगी हुई है। अब रणबीर और साई 'रामायण' के प्रचार के लिए अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किए जाने वाले लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18 में नजर आएंगे।

फिल्म के बारे में होगी खास बातचीत : जानकारी के मुताबिक, शो के दौरान दोनों कलाकार अपनी फिल्म के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर सकते हैं और अपने अनुभव साझा कर सकते हैं। ये आने वाला एपिसोड काफी दिलचस्प हो सकता है, क्योंकि इसके दौरान रणबीर और अमिताभ एक बार फिर साथ नजर आएंगे। ये दोनों कलाकार 2022 में अयान मुखर्जी की फिल्म 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन-शिवा' में एक साथ दिखाई दिए थे, जिसमें रणबीर ने 'शिवा' और अमिताभ ने 'गुरु' का किरदार निभाया था।

मल्टी-स्टारर फिल्म है 'रामायण': नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली 'रामायण' में रणबीर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं और साई माता सीता के किरदार में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म दुनियाभर में रिलीज की जाएगी और इसे 40 से अधिक भाषाओं में डब किया गया है। इसे 2 पार्ट में बनाया गया है, जिसका दूसरा पार्ट 2027 में दिवाली के समय रिलीज किया जाएगा। इसमें यश रावण के रूप में दिखाई देंगे और कई अन्य जाने-माने सितारे भी नजर आएंगे।

'कॉफी विद करण 9' में सलमान ने सुनाया डरावना किस्सा- देखा नहीं, सिर्फ महसूस किया

मुंबई। करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' का 9वां सीजन जियोहॉटस्टार पर आ गया है। 14 अक्टूबर को शो के पहले एपिसोड का प्रीमियर किया गया, जिसमें सलमान खान और करिश्मा कपूर शामिल हुए। बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपने घर को लेकर एक डरावने अनुभव का किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि गैलेक्सी अपार्टमेंट्स फ्लैट में उनका कमरा भूतिया था। सलमान ने यह भी बताया कि उन्हें अपने कमरे में किसी की मौजूदगी का एहसास होता था। शो के दौरान, करण ने याद किया कि सलमान का गैलेक्सी अपार्टमेंट्स में घर कितना छोटा था। घर का जिक्र आते ही सलमान ने कहा, आपको पता है, उस कमरे में मैं कभी अकेला नहीं रहा। मैं वहां किसी के साथ रहा था, जिसे मैंने कभी देखा ही नहीं, सिर्फ सुना है, सिर्फ महसूस किया है पीछे। हर बार जब मैं बाहर आता, तो बत्तियां अपने आप जलती-बुझती थीं। अलमारियां अपने आप खुलती थीं।



अभिजीत सावंत बोले- गाने के 50 रुपए मिलते थे, संघर्ष के दिनों को किया याद

मुंबई। 'मोहब्बतें लुटाऊंगा' और 'मर जावा मिट जावा' जैसे मशहूर गानों को अपनी आवाज देने वाले अभिजीत सावंत लाखों दिलों पर राज करते हैं। 'इंडियन आइडल' शो का पहला सीजन जीतने के बाद वह एक बार फिर 'इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न' में अपने सुरों का जादू बिखेरने वाले हैं। इस बीच अभिजीत ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया और बताया कि वह कैसे छोटे-छोटे पंडालों में 50 रुपये के बदले गाना गाया करते थे।

कभी-कभी 100 रुपए मिलते थे

अभिजीत ने कहा, जब मुझे छोटे-छोटे स्टेज पर गाने का मौका मिलता था, वह दिन मेरे जीवन का सबसे खुशी का दिन हो जाता है। मुझे आज भी याद है कि मैं छोटे-छोटे कार्यक्रमों और पंडालों में गाया करता था। कभी-कभी मुझे 100 रुपये मिल जाते थे तो कभी कोई खुशी-खुशी मेरी जेब में 50 रुपये डाल देता था और कहता था था कि लो बेटा, आज कुछ खा लेना।



हमने भगवान को नहीं देखा लेकिन दर्शकों को देखा है

अभिजीत ने कहा, जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं। कई दिन ऐसे भी रहे, जो बहुत अच्छे नहीं थे। जब भी मैं किसी मुश्किल दौर से गुजरता हूं या मेरा दिन खराब जाता है तो मैं उन लोगों के बारे में सोचता हूं, जिन्होंने उस समय मुझे प्यार दिया और ये कहकर उम्मीद जगाई कि मैं अच्छा कर सकता हूं। अभिजीत ने दर्शकों को अपनी ताकत बताया और उनकी तुलना भगवान से की, जो उन्हें काम करने की प्रेरणा देते हैं।

रोशन संग जमेगी सिमर की जोड़ी

फिल्म 'बातों ही बातों में' से मचाएंगी धमाल

मुंबई। बीएलएम पिक्चर्स ने अपनी नई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'बातों ही बातों में' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस फिल्म में रोशन मैथ्यू और अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया की नई जोड़ी पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएगी। धीरज बोस के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म की शूटिंग इसी साल नवंबर से शुरू होगी। ये कहानी रिश्तों में बातचीत, जुड़ाव और आने वाले अनपेक्षित मोड़ों के इर्द-गिर्द घूमती है।





सिमर ने इस फिल्म से रखा था बॉलीवुड में कदम : सिमर भाटिया ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत श्रीराम राघवन की फिल्म 'इक्कीस' से की थी, जिसमें उन्होंने अगस्त्य नंदा के साथ काम किया और अपनी बेहतरीन एक्टिंग से लोगों का ध्यान खींचा। अब वो फिल्म 'बातों ही बातों में' में नजर आएंगी, वहीं, रोशन मैथ्यू साउथ और बॉलीवुड के एक माने हुए अभिनेता हैं। वो आलिया भट्ट की 'डार्लिंग्स', 'कपूर एंड सन्स' और 'उलझ' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बना चुके हैं।

विवेक ओबेरॉय को मिली थीं अंडरवर्ल्ड से धमकियां, सालों बाद खोले राज..

मुंबई। अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बॉलीवुड में मौजूद ताकतवर लॉबी को लेकर खुलकर बात की है। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी के उस मुश्किल दौर को याद किया, जब उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। विवेक ने बताया कि उस समय हालात इतने बिगड़ गए थे कि उन्हें अंडरवर्ल्ड से भी धमकियां मिलने लगी थीं और इस वजह से लोगों ने उनसे बात करनी बंद कर दी थी।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि साल 2003 में सलमान खान के साथ हुए बहुचर्चित विवाद और प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद विवेक को बॉलीवुड की कई ताकतवर हस्तियों के साथ तनावपूर्ण हालात का सामना करना पड़ा था। इस वजह से उन्हें अंडरवर्ल्ड से धमकियां मिलने लगी थीं।

विवेक को किया गया बहुत परेशान

विवक ने कहा, मुझे जो गलत लगा, उसके खिलाफ आवाज उठाई और इसके बाद मुझे बहुत परेशान किया जाने लगा। यह मेरे जीवन का बहुत मुश्किल दौर था, क्योंकि सफल फिल्में देने और पुरस्कार जीतने के बावजूद एक ताकतवर लॉबी ने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया। ऐसा होता था कि जिन फिल्मों को मैंने साइन किया था, वहां से लोग पीछे हटने लगे और कहने लगे, सॉरी यार, अब हम तुम्हारे साथ काम नहीं कर सकते।



विवेक के साथ काम किया तो खत्म कर देंगे

विवेक ने बताया कि शुरुआत में कुछ लोग नैतिकता के आधार पर उनके साथ खड़े रहे। हालांकि, कुछ हफ्तों बाद ही वे डर के मारे पीछे हट गए। विवेक ने कहा, लोगों को अंडरवर्ल्ड से फोन आने लगे थे। उन्हें धमकी दी जाती थी कि अगर विवेक के साथ काम किया तो उनका काम तमाम कर दिया जाएगा। इस वजह से वे अपने और अपने परिवार की सुरक्षा की खातिर मेरा साथ छोड़कर दूर चले गए।

'राइज एंड फॉल' में पवन सिंह की वापसी से पलटेगा पूरा खेल

बीच में छोड़ा था पहला सीजन

मुंबई। भोजपुरी अभिनेता और नेता पवन सिंह रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने पहले सीजन में हिस्सा लिया था, लेकिन निजी कारणों से बीच में ही शो छोड़ दिया था। अब दूसरे सीजन में उनकी वापसी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हालांकि, अभी तक उनकी वापसी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।



तेज प्रताप की विदाई, अब पवन की वापसी के चर्चे

'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में अब तक कई बदलाव देखने को मिले हैं। कानूनी दिक्कतों के चलते तेज प्रताप यादव को शो छोड़ना पड़ा, जबकि कायरा अनु और राज ग्रोवर बाहर हो चुके हैं। हाल ही में निहारिका तिवारी ने चैलेंज में स्वरा भास्कर को हराकर पहली महिला अल्टीमेट रूलर बनने का खिताब जीता। वीरेंद्र सहवाग के होस्ट किए जा रहे इस शो को अमेजन एमएक्स प्लेयर पर देखा जा सकता है। अब पवन सिंह की वापसी की खबरों ने दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा दी है।